29-03-2023

देश की पहली चीनी मिल 1903 में शुरू हुई

भारत सरकार के 15 नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल

श्रीटीएनएन

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के 15 नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्डक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम) प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया। सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने टीम का नेतृत्व करते हुए बताया कि सरकार द्वारा नए भर्ती किए गए लोगों के फील्ड दौरे की योजना बनाई गई है ताकि उन्हें मंत्रालय के तहत काम करने वाले विभिन्न संगठनों के कामकाज से परिचित कराया जा सके और उन्हें उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले क्षेत्रों के कामकाज से भी परिचित कराया जा सके। प्रशिक्षुओं ने चीनी और इथेनॉल उत्पादन की प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने और मूल्य वर्धित उत्पादों और अपशिष्ट जल उपचार के उत्पादन के लिए नई तकनीकों को विकसित करने के लिए किए जा रहे शोध कार्य की जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक चीनी कारखाने, विशेष चीनी प्रभाग, इथेनॉल यूनिट और ब्रेवरी आदि का दौरा किया। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रकार की चीनी के उत्पादन की प्रक्रिया और चीनी उद्योग में प्रौद्योगिकी के विकास के बारे में जानकारी दी, क्योंकि देश की पहली चीनी मिल 1903 में परिचालन में आई थी। देश अपनी आवश्यकताओं में न केवल आत्मनिर्भर है बल्कि अन्य देशों को चीनी का निर्यात भी करता

है। इसने जैव ऊर्जा के उत्पादन में भी प्रमुख भूमिका निभाई है, विशेष रूप से इथेनॉल को पेट्रोल के साथ मिश्रित किया जा रहा है, उन्होंने कहा। डॉ. (श्रीमती) आर. अनंतलक्ष्मी, सहायक आचार्य (जैव रसायन) ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम और भारतीय चीनी उद्योग के योगदान के बारे में एक प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि 2013-14 में मामूली 1.53त्न सम्मिश्रण से, देश ने 2021-22 के दौरान 10.12त्न की सीमा तक सम्मिश्रण हासिल किया है और हम 2022-23 के दौरान 12त्न सम्मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तत्पर हैं।

देश की पहली चीनी मिल 1903 में शुरू हुई

भारत सरकार के 15 नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता
मनी वर्मा

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के 15 नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (इन्डक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम) प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया। सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने टीम का नेतृत्व करते हुए बताया कि सरकार द्वारा नए भर्ती किए गए लोगों के फील्ड दौरे की योजना बनाई गई है ताकि उन्हें मंत्रालय के तहत काम करने वाले विभिन्न संगठनों के कामकाज से परिचित कराया जा सके और उन्हें उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले क्षेत्रों के कामकाज से भी परिचित कराया जा सके प्रशिक्षुओं ने चीनी और इथेनॉल उत्पादन की प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने और मूल्य वर्धित उत्पादों और अपशिष्ट जल उपचार के उत्पादन के लिए नई तकनीकों को विकसित करने के लिए किए जा रहे शोध कार्य की जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक चीनी कारखाने, विशेष चीनी प्रभाग, हथेनॉल यूनिट और ब्रेवरी आदि का दौरा किया इंटरेक्टिव सत्र के दौरान, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रकार की चीनी के उत्पादन की प्रक्रिया और चीनी उद्योग में प्रोद्योगिकी के विकास के बारे में जानकारी दी, क्योंकि देश की पहली चीनी मिल 1903 में परिचालन में आई थी देश अपनी आवश्यकताओं में न केवल आत्मनिर्भर है बल्कि अन्य देशों को चीनी का निर्यात भी करता है इसने जैव ऊर्जा के उत्पादन में भी प्रमुख भूमिका निभाई है, विशेष रूप से इथेनॉल को पेट्रोल के साथ मिश्रित किया जा रहा है, उन्होंने कहा डॉ. (श्रीमती) आर. अनंतलक्ष्मी, सहायक आचार्य (जब रसायन) ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम और भारतीय चीनी आयोग के योगदान के बारे में एक प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि 2013-14 में मामूली 1.53न सम्मिश्रण से, देश ने 2021-22 के दौरान 10. 12 की सीमा तक सम्मिश्रण हासिल किया है और हम 2022-23 के दौरान 12 सम्मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तत्पर हैं।

अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का हुआ उद्घाटन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का उद्घाटन सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की उपस्थिति में किया गया। श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा कि अल्कोहल तकनीक की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, चूंकि हमने अल्कोहल तकनीक के स्नाकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या में वृद्धि की है, अतः आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक नई प्रयोगशाला की आवश्यकता महसूस की गई। इथेनॉल उत्पादन के दौरान इथेनॉल और अन्य सम्बन्धित उत्पादों के विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है।

इथेनॉल भविष्य का ईंधन है, इसलिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और चीनी उद्योग को प्रमुख भूमिका निभानी है। बड़ी संख्या में इथेनॉल इकाइयों की वृद्धि को देखते हुए सक्षम कार्यबल की आवश्यकता है अतः इस प्रकार की सुविधाओं को विकसित और निरंतर उन्नत करने की आवश्यकता है, सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव ने कहा।

एनएसआई में नई अल्कोहल प्रयोगशाला का शुभारंभ

प्रयोगशाला खुलने से छात्र छात्राओं को मिलेगी सुविधा: नरेंद्र मोहन

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान,में अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का उद्घाटन ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की उपस्थिति में किया गया ।शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि अल्कोहल तकनीक की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, चूंकि हमने अल्कोहल तकनीक के स्नाकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या में वृद्धि की है, अतः आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक नई प्रयोगशाला की आवश्यकता महसूस की गई। इथेनॉल उत्पादन के दौरान इथेनॉल और अन्य सम्बन्धित उत्पादों के विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है इथेनॉल भविष्य का ईंधन है, इसलिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और चीनी उद्योग को प्रमुख भूमिका निभानी है। बड़ी संख्या में इथेनॉल इकाइयों की वृद्धि को देखते हुए सक्षम कार्यबल की आवश्यकता है इस प्रकार की सुविधाओं को विकसित और निरंतर उन्नत करने की आवश्यकता है, सुश्री ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव ने कहा ।

Alcohol technology lab inaugurated

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The Alcohol Technology Laboratory at National Sugar Institute was inaugurated by Jyotsna Gupta, Deputy Secretary, Department of Food and Public Distribution, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution in the presence of the NSI Director Prof Narendra Mohan. He said looking into the growing need of alcohol technologists the NSI had increased the number of seats in the PG Diploma Course in Industrial Fermentation and Alcohol Technology. He said a new laboratory to cope with the requirement was also needed. He said the laboratory was equipped with all required instruments for carrying ethanol and other process intermediates during the course of ethanol production. Gupta said ethanol was the fuel of future, thus, NSI and sugar industry had to play a dominant role. He said in view of large number of ethanol units coming up the need was for competent manpower and thus such facilities were required to be developed and continuously upgraded.

Deputy Secretary, Department of Food and Public Distribution, Ministry of Consumer Affairs, Jyotsna Gupta, inaugurating the Alcohol Technology Laboratory at National Sugar Institute, Kanpur

Deputy secy visits National Sugar Institute

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Deputy Secretary, Department of Food and Public Distribution Jyotsna Gupta visited National Sugar Institute (NSI) on Monday. She informed that field visits of the new recruits had been planned by the government to familiarise them about the working of various organisations working under the ministry and also to provide them exposure about the sector to be served by them. Around 15 newly recruited assistant section officers of Department of Food and Public Distribution, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Government of India, arrived for undertaking Induction Training Programme. The trainees visited various laboratories, Experimental Sugar Factory, Specialty Sugar Division, Ethanol Unit and brewery etc. to get first-hand knowledge about the process of sugar and ethanol production and also to get insight of research work being carried out to develop newer technologies for producing value-added products and waste water treatment. During the interactive session, Director, NSI, Prof Narendra Mohan, gave an insight to the trainees about process of production of different type of sugars and advent of technology in sugar industry since first sugar factory came into operation in 1903. The country is not only self-sufficient in its requirements but also exporting sugar to other countries. It has also played a major role in production of bio-energy, particularly ethanol being blended with petrol. Dr R Ananthalakshmi, Assistant Prof Biochemistry made a presentation about the journey of Ethanol Blending Programme and contribution of Indian sugar industry. She said from a meagre 1.53 per cent blending in 2013-14, the country has achieved blending to the extent of 10.12 per cent during 2021-22 and were sure to achieve the target of 12 per cent blending during 2022-23. Lectures were also delivered by S K Trivedi, Assistant Professor Sugar Technology and Dr Ashok Kumar, Assistant Professor Agriculture Chemistry on technological developments in factories and sugarcane productivity enhancement respectively.

NSI Director Prof Narendra Mohan takes the team of assistant section officers of Department of Food and Public Distribution, Ministry of Consumer Affairs, on a visit of the entire institute on Monday.

FUNCTION: Noted social worker Aarti Mohan while addressing the Mahila Diwas function organised by the Indian Bank Officers Association, Uttar Pradesh(UP-South) said the role of women in banking services was unparalleled and it was no exaggeration to state that they are able to strike a perfect coordination in running the branch smoothly and perfectly.

अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का हुआ उद्घाटन

कानपुर! दैनिक वरदान राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का उद्घाटन ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग , उपभोक्ता मामले , खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की उपस्थिति में किया गया। नरेंद्र मोहन, निदेशक शर्करा संस्थान ने कहा कि अल्कोहल तकनीक की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, अल्कोहल तकनीक के स्नाकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या में वृद्धि की है, अतः आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक नई प्रयोगशाला की आवश्यकता महसूस की गई। इथेनॉल उत्पादन के दौरान इथेनॉल और अन्य सम्बन्धित उत्पादों के विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। ज्योत्सना गुप्ता, उप सचिव ने कहा कि इथेनॉल भविष्य का ईंधन है, इसलिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और चीनी उद्योग को प्रमुख भूमिका निभानी है। बड़ी संख्या में इथेनॉल इकाइयों की वृद्धि को देखते हुए सक्षम कार्यबल और सुविधाओं को विकसित और निरंतर उन्नत करने की आवश्यकता है

शर्करा संस्थान में नई अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का उद्घाटन

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में नवस्थापित अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का उद्घाटन मंगलवार को उप सचिव, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार ज्योत्सना गुप्ता ने किया।

संस्थान निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि अल्कोहल तकनीक के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने के कारण आवश्यकता को पूरा करने के लिए इस नई सभी उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य का ईंधन इथेनॉल ही है। इसके लिए शर्करा संस्थान व चीनी उद्योग को प्रमुख भूमिका निभानी होगी। सक्षम कार्यबल की भी आवश्यकता होगी।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में अल्कोहल तकनीक प्रयोगशाला का हुआ उद्घाटन। फोटो : एसएनबी

नवाचार

एनएसआई की प्रायोगिक मिल में शोध पूरा होने के बाद मिलों ने प्लांट लगाए

गन्ने के रस से बनाई सीएनजी, सस्ती मिलेगी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। जो लोग सीएनजी की बढ़ती हुई कीमतों से परेशान हैं, उनके लिए राहत भरी खबर है। अब गन्ने के रस के कचरे (प्रेसमड) से सीएनजी बनेगी। यह सीएनजी 60 प्रतिशत तक सस्ती मिलेगी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) की तकनीक पर आधारित सीएनजी प्लांट को कुछ चीनी मिलों ने लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा शर्करा उद्योग के अन्य समूह भी एनएसआई से संपर्क किए हुए हैं। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि अभी तक प्रेसमड का निस्तारण चीनी मिलों के लिए सबसे बड़ी उलझन होता था, लेकिन गैस बनने से अब यह कीमती हो गया है।

एनएसआई के विज्ञानियों की टीम कई सालों से गन्ने के रस के कचरे पर काम कर रही थी। लंबे शोध के बाद इससे सीएनजी बनाने में सफलता मिली है। पहले यह शोध प्रयोगशाला स्तर पर किया गया। इसमें सफलता के बाद दूसरे चरण का शोध एनएसआई की प्रायोगिक चीनी मिल में किया गया। यहां प्रेसमड से सीएनजी बनाने का शोध पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका प्रदर्शन किया गया।

इथेनॉल बनाने के क्षेत्र में आगे आ रहे शर्करा उद्यमियों ने प्रेसमड से सीएनजी बनाने में भी दिलचस्पी दिखाई। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि इंडियन पोटाश लिमिटेड की मुजफ्फरनगर स्थित चीनी मिल ने गैस प्लांट लगा लिया है।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा शर्करा उद्योग के दूसरे ग्रुप भी आगे आ रहे हैं। इथेनॉल की तरह प्रेसमड सीएनजी के रेट केंद्र सरकार तय करेगी। प्रेसमड की कोई कीमत नहीं होती। इस वजह से प्रेसमड से गैस बनाना तकरीबन 60 फीसदी सस्ता पड़ेगा।

कई गन्ना मिलों ने एनएसआई से तकनीक मांगी, केंद्र सरकार तय करेगी सीएनजी के रेट, 60 फीसदी पड़ेगी सस्ती

01
करोड़ टन प्रेसमड हर वर्ष निकलता है चीनी मिलों से

25
किलो प्रेसमड से एक किलो सीएनजी बनेगी

ऐसे बनती है सीएनजी

- गन्ने के रस के कचरे को बायोडायजेस्टर में डाला जाता है। इसमें पानी, गोबर, रसायन मिलाए जाते हैं। इसमें आर्गेनिक बैक्टीरिया पैदा हो जाता है। यह बैक्टीरिया बायोगैस बनाता है। इसमें 90 फीसदी मीथेन गैस होती है। इसके अलावा कार्बन डाईआक्साइड और दूसरी गैस होती हैं। बाद में शुद्धिकरण के जरिये मीथेन से बाकी गैस अलग कर ली जाती हैं। इसके बाद मीथेन से सीएनजी बनाई जाती है।

एनएसआई का कामकाज समझा

कानपुर। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के 15 नव नियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) आकर यहां के कामकाज को समझा। सहायक अनुभाग अधिकारी उप सचिव ज्योत्सना की अगुवाई में दो दिन तक यहां रहे। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि सोमवार को अधिकारियों ने चीनी, इथेनॉल आदि बनाने की प्रक्रिया समझी। इसके साथ ही विभिन्न तकनीक के संबंध में जानकारी हासिल की। इस मौके पर जैव रसायन की सहायक आचार्य डॉ. आर. अनंत लक्ष्मी ने इथेनॉल मिश्रण के संबंध में प्रस्तुति दी। (ब्यूरो)

Alcohol tech lab inaugurated at Sugar Institute

Kanpur: Alcohol Technology Laboratory at National Sugar Institute, Kanpur was inaugurated by Deputy Secretary, Department of Food & Public Distribution, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution, Jyotsna Gupta in the presence of Director, National Sugar Institute, Professor Narendra Mohan.

Looking to the growing need of Alcohol technologists, we have increased the number of seats in the PG Diploma Course in Industrial Fermentation & Alcohol Technology but a new laboratory to cope up with the requirement was needed, said Prof Mohan. The laboratory is equipped with all required instruments for carrying out analysis of ethanol and other process intermediates during the course of ethanol production, he added. Ethanol is the fuel of future, thus, National Sugar Institute and Sugar Industry has to play a dominant role. "Looking at large number of ethanol units coming up, the need is for competent manpower and thus such facilities are required to be developed and continuously upgraded", said Jyotsna Gupta, Deputy Secretary. TNN

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया शर्करा संस्थान का दौरा

कानपुर (एसएनबी)। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के 15 नवनियुक्त सहायक अनुभाग अधिकारियों ने सोमवार को प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया। प्रशिक्षु अधिकारियों को संस्थान के विभिन्न प्रयोगशालाओं व प्रभागों का दौरा कराया गया व यहां चल रहे शोध कार्यों की जानकारी दी गई।

टीम की अगुवाई कर रही विभाग की उप सचिव ज्योत्सना गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा नई भर्ती किये गये लोगों की फील्ड दौरे की योजना बनाई गई है। इससे मंत्रालय से जुड़े विभिन्न संगठनों के कामकाज को समझ सकेंगे। इंटरैक्टिव सत्र में संस्थान निदेशक नरेन्द्र मोहन ने चीनी उत्पाद प्रक्रिया व चीनी उद्योग प्रौद्योगिकी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग ने जैव ऊर्जा के उत्पादन में भी प्रमुख भूमिका निभाई है। संस्थान की जैव रसायन शिक्षक आर अनंतलक्ष्मी ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम और भारतीय चीनी उद्योग के योगदान पर प्रस्तुति दी।